NEWSLETTER

शनिवार, 09 सितम्बर 2023 | वॉल्यूम - 62

Interview | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

पंजाब: कपास तोड़ना शुरू, विशेषज्ञों ने उपज में चार गुना उछाल का अनुमान लगाया

GOLD : 58907
SILVER : 71538
CRUDE OIL : 7265

"किसान को खेती कार्यो में आने वाली समस्याऐ"

खेती चाहे कपास, सोयाबीन, धान ,अन्य जींस या सब्जी की हो। समय के साथ-साथ कमजोर होती जाती है। वर्तामन स्थिति ऐसी हे की किसानो को खेती करने के बाद अपनी पैदावार (उत्पादन) से पूरी लागत नहीं मिल पाती। किसानो की इन्ही समस्याओ जानने के लिए हमने 15 सालो से खेती कर रहे किसान श्री अरूण पाटीदार जी से बातचीत की। कपास की खेती के लिए क्या क्या समस्या आती है इस विषय में उन्होंने बातचीत के दौरान बताया, अरुण जी 5 से 10 एकड़ में कपास की बुआई हर साल करते है, इसके अलावा गन्ना भी प्रचुर मात्रा में उगाते है । अरुण जी मध्यप्रदेश के निमाड़ क्षेत्र के खलघाट गांव 30 एकड़ में खेती करते है। वे बताते है खेती का मुख्य आधार मौसम है अगर फसल के हिसाब से बारिश अच्छी रही तो उत्पादन अच्छा होता है, अगर बारिश कम हुई तो उत्पादन कम होता है। बारिश की अनिमियता से उत्पादन कम ज्यादा तो होता ही है, पर गुणवत्ता पर भी उसका असर दिखता है।इसलिए अनुकूल मौसम पैदावार और गुणवत्ता को बढ़ाता है।

इसमें कोई संदेह नहीं है की अच्छी उपज और बेहतर गुणवत्ता कपास का उत्पादन करने की दिशा में किसानो को सर्वोत्तम क्वॉलिटी बीज उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। कपडा उद्योग को जीवित रखने के लिए यह कार्य अविलम्ब प्रारंभ करना चाहिए।

आगे वह बताते है की मौसमी बारिश अगर कम होती है तो उनके पास जो पानी की व्यवस्था है उससे उसकी पूर्ति करने में भी बिजली की समस्या आती है। निमाड़ के बड़े बड़े खेतो में दिन के कार्यरत 10 घंटो में से 4 घंटो की ही बिजली मिलने के कारण पानी होने के बाद भी फसल को पानी नहीं दे पाते. सरकार को बिजली कटोती कम करने के लिए सोचना चाहिए।बिना बिजली काटे कार्यरत 10 घंटे तक बिजली जारी रखनी चाहिए। दूसरा कपास फसल के ऊपर आने वाले कीड़ो विषय के बताते है की समय-समय पर कीटनाशक दवाइओ का छिड़काव करना चाहिए पर उसमे भी समस्या यह है की बाजार में आने वाली नकली दवाइयों के कारण फसल पर कीड़े आ जाते है जो फसल को ख़राब कर देता है।फसल की गुणवत्ता अच्छी करने में खाद आवश्यक है। आजकल खाद की कीमते बहुत ऊंची हो गई है जिसके कारण किसान की लागत बढ़ गई है.

सबसे बड़ी समस्या श्रमिक की है खेती में काम करने वाले मजदुरों को आज कल गांव के आसपास के कल-कारखानों में अच्छा वेतन मिलने से खेती से ज्यादा फैक्ट्रीज में काम करना पसंद करते है। अगर मजदुर मिल भी जाता है तो वो मजदूरी ज्यादा लेता है। खेती में उपयोगी होने वाले मशीन महंगे होने के कारण छोटे किसान उसका उपयोग नहीं कर पाता। अगर मशीनरी ले भी ली, तो डीज़ल-पेट्रोल की कीमते महंगी होने से वह ज्यादा उपयोग नहीं कर पाते।कपास की चुनाई भी श्रमिकों द्वारा ही की जाती है क्योकि अभी इसमें हारवेस्टिंग की कोई मशीन बाजार में उपलब्ध नहीं है। अधिकांश से महिलाओ द्वारा ये कार्य किया जाता है और उनकी लापरवाही से कपास में बाल, पत्ती और मिट्टी आदि आ जाती है जो कपास की ग्रेड को कमजोर करती है।

उपरोक्त विषम परिस्थितिओ के कारण किसानो का कपास फसल की खेती में रूझान कम हो रहा है।

श्री अरुण पाटीदार (किसान)
गांव खलघाट
निमाड़ (मध्यप्रदेश)

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77771

कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77771 - 5

WEEKLY CHART 09.09.2023

ICE COTTON			
MONTH	01.09.23	08.09.23	WEEKLY CHANGE
DEC	89.95	85.91	-4.04
MARCH	89.77	86.09	-3.68
MAY	89.70	86.28	-3.42
MCX (COTTON)			
NOV	61900	60500	-1400
JAN	0	61000	
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1598	1582	-16
NCDEX (COCUD KHAL)			
SEP	2803	2739	-64
DEC	2601	2614	13
JAN	2600	2621	21
SMART INFO SERVICE		CALL : 91119 77775	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	82.72	82.95	0.23
PAK (Pakistani Rupee)	306.031	306.771	0.74
CNY (Chinese yuan)	7.26111	7.34299	0.08188
BRAZIL (Real)	4.94969	4.98659	0.0369
AUSTRALIAN Dollar	1.54980	1.56666	0.01686
MALAYSIAN RINGGITS	4.64714	4.67696	0.02982
COTLOOK "A" INDEX	98.05	95.90	-2.15
BRAZIL COTTON INDEX	82.48	82.85	0.37
USDA SPOT RATE	84.57	79.37	-5.2
MCX SPOT RATE	61160	61260	100
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	20100	22007	1907
GOLD ($)	1966.20	1942.60	-23.6
SILVER ($)	24.540	23.200	-1.34
CRUDE ($)	86.05	87.23	1.18

सितम्बर माह के पहले सप्ताह में इंटरनेशल कॉटन मार्केट में मंदी देखने को मिली

इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज के दिसंबर 23, मार्च 24 और मई 24 माह के लिए कॉटन के भाव क्रमशः 4.04 , 3.68 और 3.42 सेंट तक बड़े।

भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर कॉटन के दाम में भी गिरावट देखी गई। नवंबर माह के सौदा में भाव 1400 रूपए प्रति कैंडी गिरकर 60,500 रुपए प्रति कैंडी पहुंचे |

एनसीडीइएक्स पर भी कपास के भाव 16 रूपए प्रति 20 किलो तक गिरे, वही खल के भाव में सितम्बर माह में 64 रूपए प्रति क्विंटल की गिरावट हुई।

अन्य देशों के एक्सचेंज मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स पर 2.15 अंक की गिरावट रही, यूएसडीए स्पॉट रेट पर 5.2 सेंट गिरा और एमसीएक्स स्पॉट रेट पर 100 अंक तक बढ़े, वही ब्राजील कॉटन इंडेक्स पर 0.37 अंक की बड़त दर्ज की गई है।पाकिस्तान के केसीए स्पॉट रेट पर सप्ताह अंत तक 1900 रुपए तक भाव बढ़े।

शेयर मार्केट निवेशकों के लिए मिला-जुला रहा यह सप्ताह

04 सितंबर से 08 सितंबर 2023 के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर वेल्यू पर आधारित खबर

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	407.2	417.6	387.55	5.07%
अरविद लिमिटेड	168.95	179.7	166.00	-5.98%
वेलसपन इंडिया	124.85	129.4	123.15	1.38%
नितिन स्पिनर्स	308	317.45	300.2	-2.52%
रेमण्ड	2151.95	2240	1973.25	6.18%
अक्षिता कॉटन	27.05	27.3	26.45	1.50%

शेयर मार्केट में टेक्सटाइल सेगमेंट के लिए यह सप्ताह उतार- चढ़ाव रहा. इस बिच कुछ कंपनीज के शेयर का मार्केट बढ़ा जबकि कुछ मार्केट कैप पिछले सप्ताह की तुलना में निचे गिर गया. आइए जानते है बीएसेई के मंच पर प्रमुख कंपनी की कैसे रही परफॉमेंस।

पंजाब : कपास तोड़ना शुरू, विशेषज्ञों ने उपज में चार गुना उछाल का अनुमान लगाया

बठिंडा : 'सफेद सोना' पर कीटों के हमले के प्रभाव में गिरावट के फील्ड इनपुट के बीच पंजाब के अर्ध-शुष्क जिलों में कपास की पहली तुड़ाई शुरू हो गई है, जिससे किसानों को काफी राहत मिली है।

राज्य के कृषि अधिकारियों ने कहा कि पहले कटाई चक्र में कपास उगाने वाले प्रमुख चार जिलों फाजिल्का, बठिंडा मानसा और मुक्तसर में 2-4 क्विंटल की औसत उपज अगले खरीफ सीजन में क्षेत्र की पारंपरिक फसल को बढ़ावा दे सकती है।

शुरुआती रुझान के अनुसार, विशेषज्ञों को इस बार प्रभावशाली पैदावार की उम्मीद है क्योंकि फूल बंपर है।

2022-23 के ख़रीफ़ सीज़न में किसानों ने 2.48 लाख हेक्टेयर में कपास की बुआई की थी और कुल उत्पादन 7 लाख क्विंटल से भी कम था। हालांकि, विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस सीजन में पैदावार 29 लाख क्विंटल तक पहुंच सकती है।

राज्य के कृषि आंकड़ों के अनुसार, इस साल कपास 1.75 लाख हेक्टेयर में उगाया गया, जो राज्य में अब तक का सबसे कम रकबा है। इसके लिए 2021 और 2022 में गुलाबी बॉलवॉर्म और व्हाइटफ्लाई के घातक कीटों के हमलों को जिम्मेदार ठहराया गया और नुकसान की आशंका के कारण किसानों ने कपास की खेती से दूर रहने का विकल्प चुना।

हालाँकि, अनुकूल जलवायु परिस्थितियों और किसानों को नकदी फसल की केवल अनुशंसित किस्मों का उपयोग करने के लिए राज्य कृषि विभाग का दबाव इस सीजन में काम आया।

पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) के प्रधान कीटविज्ञानी विजय कुमार ने रविवार को कहा कि कपास के पौधों पर सफेद मक्खी का खतरा खत्म हो गया है और गुलाबी बॉलवर्म का संक्रमण अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि किसानों को 20 सितंबर तक कीटनाशकों का प्रयोग करना पड़ सकता है।

"चूंकि कपास के पौधे 110 दिनों के करीब हैं, इसलिए सफेद मक्खी के संक्रमण की संभावना न्यूनतम है क्योंकि पत्तियों में कीट के जीवित रहने के लिए रस नहीं बचा है या बहुत कम है। क्षेत्रीय सर्वेक्षणों से पता चलता है कि गुलाबी बॉलवर्म नियंत्रण में है, लेकिन अगले तीन सप्ताह घातक कीट के हमले को रोकने के लिए महत्वपूर्ण हैं, "उन्होंने कहा बठिंडा के मुख्य कृषि अधिकारी हसन सिंह ने कहा कि मानसून के दौरान कपास बेल्ट में लंबे समय तक शुष्क मौसम क्षेत्र की प्रमुख खरीफ फसल के लिए वरदान साबित हुआ है।

"पिछले साल, कपास बेल्ट में पौधों की रुकी हुई वृद्धि देखी गई थी और यह मुख्य रूप से गैर-अनुशंसित किस्मों के उपयोग और कीटों के हमलों के कारण था, जिससे पौधे कमजोर हो गए थे। लेकिन इस बार, पौधों का स्वास्थ्य अच्छा है और वे लगभग 5 फीट की ऊंचाई प्राप्त कर चुके हैं जो अच्छी उपज का संकेत देता है। राज्य सरकार ने गुणवत्तापूर्ण बीजों का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए अनुशंसित किस्मों पर सब्सिडी प्रदान की, "उन्होंने कहा मुक्तसर के मुख्य कृषि अधिकारी गुरप्रीत सिंह ने कहा कि 2 क्विंटल की औसत उपज अच्छी है और यदि किसान कीट नियंत्रण प्रबंधन पर सलाह का पालन करते हैं, तो अगले दो कटाई चक्रों में प्रति एकड़ उपज 10 क्विंटल तक पहुंच सकती है।

पंजाबी मंडी बोर्ड के कपास के नोडल अधिकारी मनीष कुमार के मुताबिक चारों प्रमुख जिलों की मंडियों में किसान कम मात्रा में कपास लेकर पहुंचने लगे हैं.

"मोटे अनुमान के मुताबिक, कपास की पैदावार 29 लाख क्विंटल तक पहुंचने की संभावना है जो 2021-22 के खरीफ सीजन में दर्ज की गई थी। 2022 में निराशाजनक सीज़न के बाद यह एक उपलब्धि होगी, "उन्होंने कहा।

मंडी बोर्ड के आंकड़ों में कहा गया है कि निजी खिलाड़ी कपास उत्पादकों को मौजूदा खरीफ विपणन सीजन के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के मुकाबले मध्यम स्टेपल के लिए 6,620 रुपये प्रति क्विंटल और लंबे स्टेपल के लिए 7,020 रुपये के मुकाबले 5,000 रुपये से 7,200 रुपये प्रति क्विंटल की पेशकश कर रहे हैं।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

विदेशी मांग में कमी और कमजोर उपभोक्ता खर्च के दोहरे दबाव बने रहने से चीन के निर्यात, आयात में गिरावट आई है

अगस्त में चीन के निर्यात और आयात में गिरावट आई, जैसा कि गुरुवार को आंकड़ों से पता चला, विदेशी मांग में कमी और कमजोर उपभोक्ता खर्च के दोहरे दबाव के कारण दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में कारोबार पर असर पड़ा।

पंजाब: कपास तोड़ना शुरू, विशेषज्ञों ने उपज में चार गुना उछाल का अनुमान लगाया

बठिंडा : 'सफेद सोना' पर कीटों के हमले के प्रभाव में गिरावट के फील्ड इनपुट के बीच पंजाब के अर्ध-शुष्क जिलों में कपास की पहली तुड़ाई शुरू हो गई है, जिससे किसानों को काफी राहत मिली है।

त्योहारों से दक्षिण भारत के सूती धागे के बाजार में धारणा बेहतर हुई

दक्षिण भारत के तिरुपुर बाजार में कताई मिलों में तेजी और कपास की लागत में वृद्धि के कारण सूती धागे की कीमतों में वृद्धि देखी गई है। इस बीच, आगामी गणेश चतुर्थी त्योहार की प्रत्याशा में मांग में वृद्धि के बावजूद, मुंबई का बाजार स्थिर बना हुआ है।

कपास उद्योग मिलों की किस्मत को पुनर्जीवित करने के लिए सब्सिडी, आयात शुल्क में कटौती चाहता है

भारतीय कपास उद्योग ने निर्यात में गिरावट और नई फसल की कमजोर संभावनाओं के मद्देनजर संकटग्रस्त मिल क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कपास के लिए प्रोत्साहन और आयात शुल्क में कटौती की मांग की है। वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में परिधान निर्यात में गिरावट देखी गई है और कई मिलों को पर्याप्त ऑर्डर के अभाव में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

चीन से मांग की चिंता के बीच कपास में गिरावट आई।

मुख्य रूप से प्रमुख खरीदार चीन की ओर से मांग को लेकर चिंता के कारण। अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) ने बताया कि 31% कपास की फसल अच्छी से उत्कृष्ट स्थिति में थी, जो तूफान इडालिया के प्रभाव के कारण पिछले सप्ताह से थोड़ी कम है।

कॉटन फिजिकल मार्केट सितंबर माह के पहले सप्ताह में कॉटन के भाव में तेज़ी-मंदी का माहौल रहा।

यह सप्ताह कॉटन फिजिकल मार्केट के लिए तेजी-मंदी वाला रहा वाला रहा। नार्थ झोन में नई फसल आने से आगे के फॉरवर्ड सोदो में तेजी का माहौल रहा वही सेंट्रल और साउथ झोन में कॉटन के भाव में मंदी देखी गई।

नार्थ झोन में पंजाब, हरयाणा और अपर राजस्थान में 70 से 100 रुपए प्रति मंड की तेजी देखी गई ।

वही सेंट्रल झोन के मध्य प्रदेश राज्य में 1,000 रूपए प्रति कैंडी की गिरावट देखने को मिली, महाराष्ट्र में सबसे कम 400 रुपय मार्केट गिरा।

साउथ झोन में भी मार्केट में गिरावट जारी रही। सबसे ज्यादा कर्नाटका 1,000 रूपए प्रति कैंडी तक की गिरावट देखी जबकि ओडिशा में 300 रुपए और तेलंगाना में 1000 रुपये की गिरावट हुई ।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77775

DATE: 09.09.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	04.09.23		09.09.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB (new)	28.5	6,150	6,200	6,275	6,300	100
HARYANA	27.5/28	6,200	6,200	6,270	6,270	70
UPER RAJASTHAN	28	6,200	6,200	6,270	6,300	100
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	62,000	62,400	61,500	61,800	-600
MADHYA PRADESH	29	61,500	62,000	60,600	61,000	-1,000
MAHARASHTRA	29 vid.	61,500	62,000	61,000	61,600	-400
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5	62,900	63,000	62,600	62,700	-300
KARNATAKA	29.5/30 mm	62,000	62,500	61,000	61,500	-1,000
ANDHRA PRADESH	29.5/30 mm	62,000	62,500	61,500	62,000	-500
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	62,200	63,000	61,200	62,000	-1,000

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

NEWSLETTER

Saturday, 09 September 2023 | Volume - 62

Interview | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

Punjab: Cotton plucking begins, experts predict four fold jump in yield

GOLD : 58907
SILVER : 71538
CRUDE OIL : 7265

"Problems faced by farmers in farming"

Farming may be of cotton, soybean, paddy, other jeans or vegetables. It gets weaker with the passage of time. The present situation is such that farmers are not able to get the full cost of their produce after farming. To know about these problems of farmers, we talked to Mr. Arun Patidar, a farmer who has been doing farming for 15 years. During the conversation, he told about the problems faced in cotton cultivation that Arun ji sows cotton in 5 to 10 acres every year, apart from this he also grows sugarcane in abundance. Arun ji does farming on 30 acres in Khalghat village of Nimar region of Madhya Pradesh. He says that the main basis of farming is the weather, if the rains are good as per the crop then the production is good, if the rains are less then the production is less. Due to irregularity of rain, the production not only increases but also affects the quality. Therefore, favorable weather increases the yield and quality.

There is no doubt that it is very important to provide best quality seeds to the farmers in the direction of producing good yield and better quality cotton. To keep the textile industry alive, this work should be started without delay.

He further explains that if the seasonal rainfall is less, then there is a problem of electricity in making up for it with the water system they have. In the big farms of Nimar, people are unable to water the crops even after having water, due to getting electricity only for 4 hours out of 10 working hours of the day. The government should think about reducing power cuts. Electricity should continue for 10 working hours without power cuts. Secondly, due to the insects coming on the cotton crop, it is said that pesticides should be sprayed from time to time, but the problem with that too is that due to the fake medicines coming in the market, insects come on the crop which spoils the crop. Fertilizer is necessary to improve the quality of the crop. Nowadays the prices of fertilizers have become very high due to which the costs of the farmer have increased.

The biggest problem is that of labor. Nowadays, laborers working in agriculture prefer to work in factories rather than farming because they get good salaries in the factories around the village. Even if laborers are found, they charge more wages. Because the machines used in farming are expensive, small farmers are not able to use them. Even if machinery is purchased, they are not able to use it much due to the high prices of diesel and petrol. Cotton is also picked by workers because at present no harvesting machine is available in the market. Most of this work is done by women and due to their carelessness, hair, leaves and soil etc. come in the cotton, which weakens the grade of cotton.

Due to the above adverse conditions, the interest of the farmers in the cultivation of cotton crop is decreasing.

Mr. Arun Patidar (Farmer)
Village Khalghat
Nimar (Madhya Pradesh)

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77771

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77771 - 5 WEEKLY CHART 09.09.2023			
ICE COTTON			
MONTH	01.09.23	08.09.23	WEEKLY CHANGE
DEC	89.95	85.91	-4.04
MARCH	89.77	86.09	-3.68
MAY	89.70	86.28	-3.42
MCX (COTTON)			
NOV	61900	60500	-1400
JAN	0	61000	
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1598	1582	-16
NCDEX (COCUD KHAL)			
SEP	2803	2739	-64
DEC	2601	2614	13
JAN	2600	2621	21
SMART INFO SERVICE		CALL : 91119 77775	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	82.72	82.95	0.23
PAK (Pakistani Rupee)	306.031	306.771	0.74
CNY (Chinese yuan)	7.26111	7.34299	0.08188
BRAZIL (Real)	4.94969	4.98659	0.0369
AUSTRALIAN Dollar	1.54980	1.56666	0.01686
MALAYSIAN RINGGITS	4.64714	4.67696	0.02982
COTLOOK "A" INDEX	98.05	95.90	-2.15
BRAZIL COTTON INDEX	82.48	82.85	0.37
USDA SPOT RATE	84.57	79.37	-5.2
MCX SPOT RATE	61160	61260	100
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	20100	22007	1907
GOLD ($)	1966.20	1942.60	-23.6
SILVER ($)	24.540	23.200	-1.34
CRUDE ($)	86.05	87.23	1.18

There was a recession in the international cotton market in the first week of September.

Cotton prices for the months of December 23, March 24 and May 24 on International Cotton Exchange increased by 4.04, 3.68 and 3.42 cents respectively.

A decline was also seen in the prices of cotton on Multi Commodity Exchange (MCX) in the Indian market. In the November deal, the price fell by Rs 1400 per candy and reached Rs 60,500 per candy.

On NCDEX too, the price of cotton fell by Rs 16 per 20 kg, while the price of Khal fell by Rs 64 per quintal in the month of September.

If we look at the exchange markets of other countries, there was a decline of 2.15 points on the Cottonlook "A" index, 5.2 cents on the USDA spot rate and an increase of 100 points on the MCX spot rate, while an increase of 0.37 points was recorded on the Brazilian Cotton Index. At Pakistan's KCA spot rate, the price increased by Rs 1900 by the end of the week.

This week was a mixed one for stock market investors

News based on share value of major textile companies between 04 September to 08 September 2023

COMPANY	CURRENT PRICE	HIGH PRICE	LOW PRICE	MOVEMENT
VARDHMAN TEXTILE LIMITED	407.2	417.6	387.55	5.07%
ARVIND LIMITED	168.95	179.7	166.00	-5.98%
WELSPUN INDIA	124.85	129.4	123.15	1.38%
NITIN SPINNERS	308	317.45	300.2	-2.52%
RAYMOND	2151.95	2240	1973.25	6.18%
AXITA COTTON	27.05	27.3	26.45	1.50%

This week was a volatile week for the textile segment in the stock market. Meanwhile, the share market of some companies increased while the market cap of some companies fell compared to the previous week. Let us know how the major companies performed on the BSE platform.

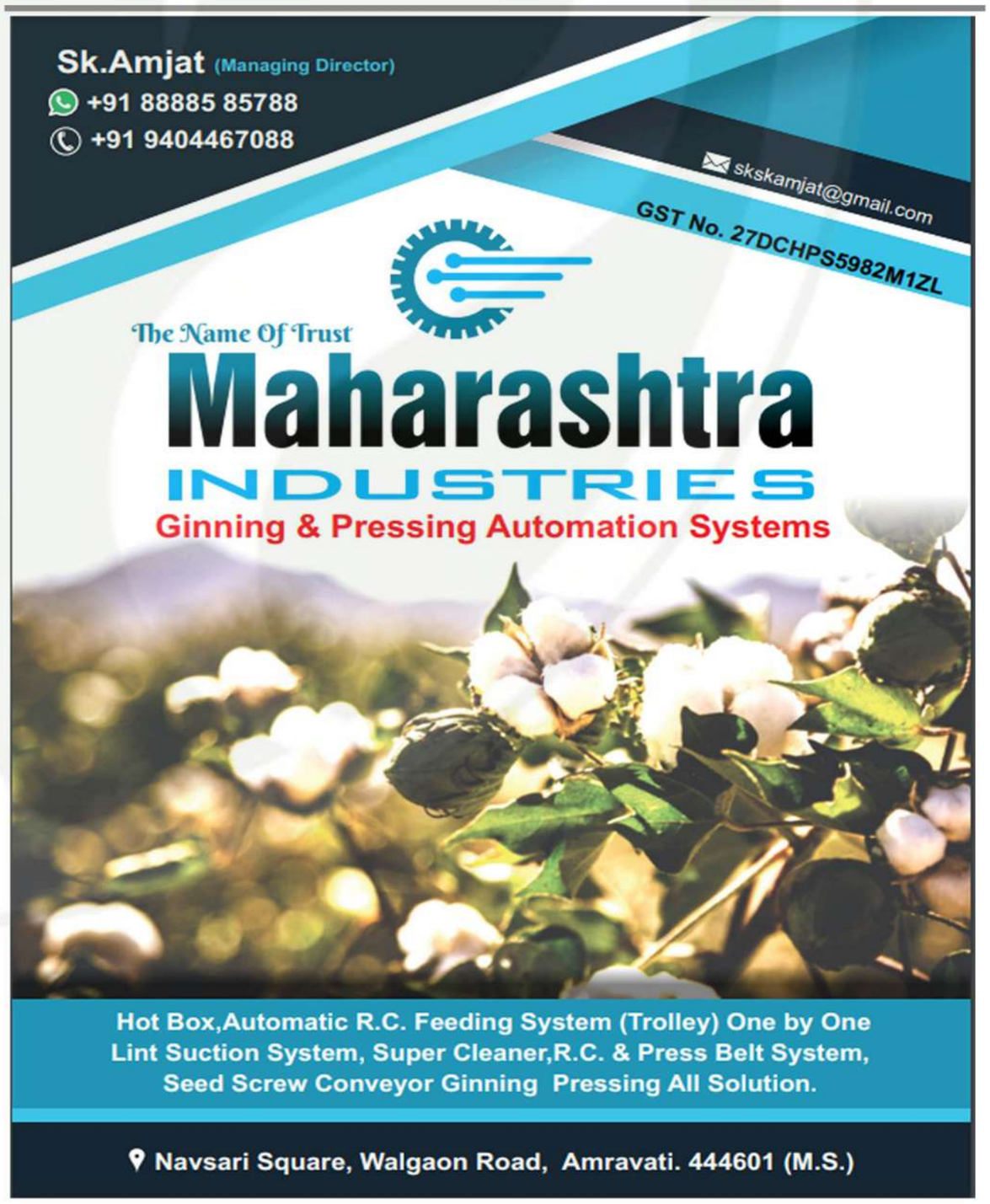

Punjab: Cotton plucking begins, experts predict four-fold jump in yield

BATHINDA : First picking of cotton balls has started in the semi-arid districts of Punjab amid field inputs of drop in the impact of pest attacks on the 'white gold', giving much relief to farmers.

State agriculture officials said the average yield of 2-4 quintals in the key four cotton-growing districts of Fazilka, Bathinda Mansa and Muktsar in the maiden harvesting cycle may give a push to the traditional crop of the region in the next kharif season.

Going with the initial trend, experts hope for impressive yield this time as the flowering is bumper.

In the 2022-23 kharif season, farmers had sown cotton over 2.48 lakh hectares and total production was less than 7 lakh quintal. Experts, however, predict that the yield may touch 29 lakh quintal this season.

As per the state agriculture data, cotton was grown over 1.75 lakh hectares, the lowest-ever acreage in the state, this year. It was attributed to attacks by deadly pests of pink bollworm and whitefly in 2021 and 2022 and apprehending losses, farmers opted to stay away from cultivating cotton.

However, favourable climatic conditions and the state agriculture department's push to make farmers use only recommended varieties of the cash crop worked this season.

Principal entomologist of Punjab Agricultural University (PAU) Vijay Kumar said on Sunday that the threat of whitefly on the cotton plants is over and pink bollworm infestation is in the last stage. Farmers may have to use pesticides till September 20, he added.

"As the cotton plants are nearing 110 days, there are minimal chances of whitefly infestation as leaves are left with no or little juice for the pest survival. Field surveys suggest that the pink bollworm is under control but the next three weeks are important to contain attack by the deadly pest," he said.
Bathinda chief agriculture officer Hassan Singh said prolonged dry season in the cotton belt during monsoon has proved a boon for the major kharif crop of the region.

"Last year, stunted growth of plants was witnessed across the cotton belt and it was mainly due to the use of unrecommended varieties and pest attacks that left the plant weak. But this time, plant health is good and they have attained a height of about 5 feet which indicates good yield. The state government provided recommended varieties with subsidies to ensure use of quality seeds," he said,Muktsar chief agriculture officer Gurpreet Singh said the average yield of 2 quintals is good and if farmers follow advisories on pest control management, the per acre yield may touch 10 quintals in the next two harvesting cycles.

According to Punjabi Mandi Board's nodal officer for cotton Manish Kumar, farmers have started reaching mandis of all four main districts with cotton in small quantities.

"According to rough estimates, the cotton yield is likely to touch 29 lakh quintal which was recorded in the 2021-22 kharif season. It will be an achievement after a dismal season in 2022," he added.

The mandi board data says the private players are offering between ₹5,000 and ₹7,200 per quintal to cotton growers against the current kharif marketing season's minimum support price (MSP) of ₹6,620 per quintal for medium staple and ₹7,020 for long staple.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

China's exports, imports fall as twin pressures of subdued overseas demand and weak consumer spending persist

China's exports and imports declined in August, data showed on Thursday, as twin pressures from slumping foreign demand and weak consumer spending hit business in the world's second-largest economy.

Punjab: Cotton plucking begins, experts predict four-fold jump in yield

Bathinda: The first harvesting of cotton has begun in the semi-arid districts of Punjab, bringing much relief to farmers, amid declining field inputs in the impact of pest attack on the 'white gold'.

Festivals boost sentiment in cotton yarn market in South India

Tiruppur market in South India has seen a rise in cotton yarn prices due to boom in spinning mills and increase in cost of cotton. Meanwhile, the Mumbai market remains stable, despite an increase in demand in anticipation of the upcoming Ganesh Chaturthi festival.

Cotton industry seeks subsidy, cut in import duty to revive fortunes of mills

The Indian cotton industry has sought incentives and a cut in import duty on cotton to boost the beleaguered mill sector in the face of declining exports and weak prospects of the new crop. Apparel exports have witnessed a decline in the first quarter of FY2023 and many mills are facing difficulties due to lack of adequate orders.

Cotton declined amid demand concerns from China.

Mainly because of concerns about demand from major buyer China. The US Department of Agriculture (USDA) reported that 31% of the cotton crop was in good to excellent condition, down slightly from last week due to the effects of Hurricane Idalia.

Cotton Physical Market In the first week of September, cotton prices were volatile.

It has been a bullish-bearish week for the cotton physical market. Due to the arrival of the new crop in the North Zone, there was a bullish atmosphere in the forward cotton prices, whereas in the Central and South Zone, a slowdown was seen in the prices of cotton.

In the North Zone, a rise of Rs 70 to Rs 100 per maund was seen in Punjab, Haryana and Upper Rajasthan.

In the Central Zone state of Madhya Pradesh, a fall of Rs 1,000 per candy was seen, in Maharashtra the market fell the least by Rs 400.

The market continued to decline in South Zone as well. Karnataka saw the highest fall of up to Rs 1,000 per candy while Odisha saw a fall of Rs 300 and Telangana saw a fall of Rs 1,000.

SMART INFO SERVICES

india.smartinfo@gmail.com

Call : 91119 77775

DATE: 09.09.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	04.09.23		09.09.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB (new)	28.5	6,150	6,200	6,275	6,300	100
HARYANA	27.5/28	6,200	6,200	6,270	6,270	70
UPER RAJASTHAN	28	6,200	6,200	6,270	6,300	100
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	62,000	62,400	61,500	61,800	-600
MADHYA PRADESH	29	61,500	62,000	60,600	61,000	-1,000
MAHARASHTRA	29 vid.	61,500	62,000	61,000	61,600	-400
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5	62,900	63,000	62,600	62,700	-300
KARNATAKA	29.5/30 mm	62,000	62,500	61,000	61,500	-1,000
ANDHRA PRADESH	29.5/30 mm	62,000	62,500	61,500	62,000	-500
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	62,200	63,000	61,200	62,000	-1,000

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.

Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy